a
साहित्य संहिता
Available at http://www.sahityasamhita.org/
ISSN 2454-2695
Volume 02 Issue 04
April 2016

आँखों का पानी पुराना हो गया

आयुष आश्विन

दिल जब अपना आशिकाना हो गया
शहर कितना सुहाना हो गया
डरता है अँधेरा हर घड़ी
दीया देखें जमाना हो गया
चाहत में बह गए हम तो
आंसू तो बहाना हो गया
खामोश दिल की धरकन मेरी
हवाओं का निशाना हो गया
उन्हें मनाने के लिए 'साहिल'
कोई नया तरीका इजादकर
आँखों का पानी पुराना हो गया